



DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी सुबर

संक्षिप्त खबरें

कुमारस्वामी ने सीएम डीके शिवकुमार पर गंभीर आरोप लगाए

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक का राजनीतिक माहौल तब गरमा गया, जब केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए 600 करोड़ रुपये की कथित श्शुपारीश (कॉन्ट्रैक्ट किलिंग) देने का आरोप लगाया। इन आरोपों ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े एक कथित रिटिंग ऑपरेशन को लेकर चल रहे विवाद में एक नया मोड़ ला दिया है। कुमारस्वामी ने रविवार को आरोप लगाया कि देवेगौड़ा परिवार को निशाना बनाने वाली कई साजिशों के पीछे शिवकुमार का हाथ है। उन्होंने 600 करोड़ रुपये की कथित डील को इसी तरह की एक साजिश बताया, जिससे श्रद्धे नेता और कर्नाटक कांग्रेस नेतृत्व के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। कुमारस्वामी ने पत्रकारों से कहा मौजूदा मुख्यमंत्री ने ही हमारे परिवार को खत्म करने का आदेश दिया था। इस ब्द ने हमारे परिवार को खत्म करने के लिए कई साजिशें रची हैं। इनमें से एक 600 करोड़ रुपये की सुपारी (साजिश) डील है। इन गंभीर आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। सांजिनिक रूप से उपलब्ध किसी भी जांच रिपोर्ट में इस कथित डील के होने या इसमें शिवकुमार के शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। कुमारस्वामी को ये नए आरोप सिद्धारमैया से जुड़े एक कथित श्स्टिंग ऑपरेशन को लेकर हुए विवाद से उपजे हैं।

दक्षिण कोरिया के साथ साझेदारी के जरिए भारत की नजर वैश्विक जहाज निर्माण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सर्बानंद सोनोवाल अभी दक्षिण कोरिया की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। इस दौरान वे कोरियाई उद्योग जगत के सामने भारत में समुद्री क्षेत्र के अवसरों को पेश कर रहे हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देश जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इसका उद्देश्य भारत को 2047 तक दुनिया के शीर्ष पांच जहाज निर्माता देशों में शामिल करने के लक्ष्य की ओर ले जाना है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने अपनी यात्रा की शुरुआत बुसान से की, जिसे उन्होंने कोरियाई समुद्री उद्योग का केंद्र बताया। वहां उन्होंने कोरियाई जहाज निर्माण क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों से बातचीत की। उन्होंने कहा, "दुनिया के सबसे उन्नत जहाज निर्माण इकोसिस्टम में से एक, यानी कोरिया में आपकी मौजूदगी भारत के लिए गर्व की बात है।" उन्होंने बताया कि भारत को बड़ी संख्या में जहाज निर्माताओं, मरीन इंजीनियरों, नेवल आर्किटेक्ट्स, डिजाइनरों, वेल्डरों, प्रोजेक्ट मैनेजर्स और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों की जरूरत है। उन्होंने इन पेशेवरों से कहा कि वे कोरिया में हासिल किए गए।

छोटे मियां-बड़े मियां को घुसपैठियों से प्यार, गरीबों से नफरत - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों पार्टियों पर घुसपैठियों का समर्थन करने और अपने शासनकाल में विकास कार्य न कर पाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी या समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का सीधे नाम लिए बिना, उन्होंने उन्हें छोटे मियां और बड़े मियां कहकर संबोधित किया। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कानपुर के बिदूर में लोगों को संबोधि तत करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि इन दोनों नेताओं को घुसपैठियों से तो लगाव है, लेकिन ये दलितों,



बंधित समुदायों, किसानों और युवाओं का अनादर करते हैं। इस कार्यक्रम से पहले उन्होंने वाल्मीकि आश्रम में पूजा-अर्चना की और नाना राव पेशवा पार्क में 411 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए, आदित्यनाथ ने

कहा कि दोनों पार्टियों को उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने का मौका मिला, लेकिन वे किसानों, गरीबों और युवाओं की समस्याओं को हल करने में विफल रहें। उन्होंने कहा कि इस समय देश में दो मियां हैं - एक छोटे मियां और दूसरे बड़े मियां। दोनों

2014 से पहले कांग्रेस के दौर में 'फोन बैंकिंग' से चलती थी देश की अर्थव्यवस्था - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा के भुवनेश्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय रिजर्व बैंक के नवस्थापित डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज भुवनेश्वर नए भारत को एक नया संस्थान दे रहा है। भुवनेश्वर में आरबीआई का डेटा सेंटर और साइबर सिक्सेरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर है। ये ओडिशा और देश के लोगों के लिए बहुत हितकारी होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस परियोजना से जुड़े सभी लोगों को बधाई देता हूँ। आज का यह कार्यक्रम इस बात



का प्रमाण है कि भारत में गवर्नंस की अप्रोच कैसे और कितनी तेजी से बदल रही है। हमारा ध्यान है, विकास की प्राथमिकता, विस्तार और आखिरी व्यक्ति तक पहुंच। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े शहरों का विकास हुआ, बड़े संस्थान बने, बड़े अस्पताल और बड़े एयरपोर्ट भी बने, लेकिन देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा बुनियादी सुविधाओं का इंतजार करता आ रहा था। दिल्ली में बड़े अस्पताल थे, लेकिन छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर इलाज

को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ने पर उतना फोकस नहीं था। रेलवे स्टेशन आम नागरिक की यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था, लेकिन रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाओं का अभाव था। यानी विकास का लाभ देश के हर क्षेत्र और हर नागरिक तक पहुंचाना एक बड़ी चुनौती बना हुआ था। हमने इसी को बदलने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे लिए विकास का मतलब है भारत का संतुलित विकास और गांवों को अवसर। हमारा मकसद है गरीब परिवारों को सम्मान के साथ जीवन जीने की सुविधाएं देना।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'नमो यमुना क़ूज सफारी' के ट्रायल रन की शुरुआत की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सोमवार को 'नमो यमुना क़ूज सफारी' के ट्रायल रन की शुरुआत की और सोनिया विहार तथा जगतपुर के बीच छह किलोमीटर लंबे रूट का निरीक्षण करते हुए प्रस्तावित सेवा की तैयारियों का जायजा लिया। सीएम गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "नमो यमुना क़ूज सफारी का ट्रायल रन शुरू हो गया है। आज सोनिया विहार से जगतपुर तक के छह किलोमीटर लंबे रूट का निरीक्षण किया गया और तैयारियों का जायजा लिया गया। अधिकारियों को साफ-सफाई, सुरक्षा और यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।" उन्होंने



कहा, "हमारी कोशिश है कि छठ महापर्व से पहले इस सेवा की शुरुआत कर दी जाए। दिल्ली के लोग अपने परिवारों के साथ मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे, क़ूज की सवारी का आनंद ले सकेंगे और राजधानी में ही पिकनिक मनाने

के लिए उन्हें एक नई जगह मिल जाएगी। इससे दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय कारोबार बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस मोर्चे पर कैबिनेट सहयोगी कपिल मिश्रा और संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।" दिल्ली

अंकिता भंडारी केस में न्याय दिलाना समाज और प्रशासन का कर्तव्य - पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता भंडारी हत्या मामले में न्याय सुनिश्चित करने को प्राथमिकता देने पर रविवार को जोर दिया। ऋषिकेश के वनंतारा रिजॉर्ट में 'रिसेप्शनिस्ट' के रूप में काम करने वाली अंकिता की



राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करना या बिना सबूत आरोप लगाना कितना उचित है। उन्होंने कहा कि इतने संवेदनशील मामले में न्यायिक प्रक्रिया, तथ्यों और सबूतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अदालत द्वारा दोषियों को सजा सुनाए जाने और जमानत याचिकाओं पर न्यायिक कार्यवाही का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कानून की उचित प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। धामी ने हल्द्वानी में 'कुमाऊं द्वार महोत्सव' को संबोधि तत करते हुए यह बात कही। वह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

को घुसपैठियों से बहुत प्यार है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों को तो गले लगाते हैं, लेकिन दलितों, वंचितों, गरीबों, किसानों और युवाओं का अपमान करते हैं। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों पर राज्य में अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी से जुड़े अपराधियों ने व्यापारियों और गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा खतरे में थी और युवाओं को या तो नौकरियां नहीं मिलीं या फिर उन्हें भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ा।

देश की विधानसभाओं के लिए बनेंगे आदर्श नियम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की विधानसभाओं में प्रक्रिया और कार्य-संचालन के नियमों में एकरूपता लाने की दिशा में दिल्ली में अहम बैठक होगी। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति प्रस्तावित आदर्श नियमों की प्रारूप रिपोर्ट और अनुशंसाओं पर विचार करेगी। बैठक में उत्तर प्रदेश, नगालैंड, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसका उद्देश्य विधायी निकायों के कामकाज के लिए साझा रूपरेखा विकसित करना है, ताकि सदनों की कार्यवाही अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। देश की विभिन्न विधानसभाओं में प्रक्रिया और कार्य-संचालन के नियमों से जुड़े अनुभवों को साझा करने और बेहतर परंपराओं को अपनाने के उद्देश्य



से यह पहल की जा रही है। समिति प्रस्तावित आदर्श नियमों की समीक्षा करेगी। चर्चा के दौरान उन बिंदुओं पर भी विचार किया जाएगा, जिन पर अतिरिक्त स्पष्टीकरण या बदलाव की जरूरत महसूस होती है। हालांकि, सभी विधानसभाओं की विशिष्ट जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों को अंतिम रूप देते समय संस्थागत आवश्यकताओं और अलग-अलग

परिस्थितियों का ध्यान रखा जाएगा। बैठक में प्रारूप रिपोर्ट को विचारार्थ और अंगीकरण के लिए समिति के सामने प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। रिपोर्ट को अपनाने का निर्णय चर्चा और सदस्यों की सहमति पर निर्भर करेगा। इसके बाद प्रस्तावित नियमों को अंतिम रूप देने और अनुशंसाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया पर विचार किया जाएगा। इसलिए बैठक के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा

वैश्विक संकटों पर मूकदर्शक नहीं, नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाए संयुक्त राष्ट्र - जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र को वैश्विक संकटों के दौरान "मूकदर्शक" बने रहने के बजाय नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी चाहिए। दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि इस वैश्विक संस्था को अपनी कमियों और सीमाओं को स्वीकार करते हुए उनमें सुधार की दिशा में प्रयास करना चाहिए। जयशंकर ने ये टिप्पणियां भारत में संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक स्टीफन प्रीसनर की मौजूदगी में कीं। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में चिनय मिशन की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। जयशंकर ने कहा कि दुनिया की सामूहिकता और सहयोग की भावना आठ दशक से भी पहले संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय व्यक्त की गई थी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद एक में इस संस्था को साझा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए "राष्ट्रों के कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने" का केंद्र बनाने की बात कही गई है। विदेश मंत्री ने कहा, "इसलिए यह उचित है कि हम संयुक्त राष्ट्र



दिवस मनाते हुए एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताते हैं। आखिरकार, दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियों और अवसरों, दोनों से सामूहिक प्रयासों के जरिए सबसे बेहतर एवं प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है।" जयशंकर ने कहा, "हम जानते हैं कि हम एक अपूर्ण दुनिया में रहते हैं। लेकिन हम सभी लगातार अधिक पूर्णता की दिशा में प्रयास करते रहते हैं।" मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के संदर्भ में इसका अर्थ है कि उसे अपनी कमियों और सीमाओं को पहचानना चाहिए तथा सुधार की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

पिछले कई वर्षों में विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए पटाखा विस्फोट हादसों में कई लोगों की हो चुकी है मौत

दीपावली से पूर्व पुलिस अवैध रूप से पटाखा कारोबारी के खिलाफ चलायेगी अभियान - सीओ सिटी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या (दीपावली नजदीक आते ही अवैध पटाखों के निर्माण और भंडारण का खतरा बढ़ने लगता है जिले के कई थाना क्षेत्रों में पिछले वर्षों के दौरान आतिशबाजी के अवैध कारोबार से जुड़े हादसे हो चुके हैं देखा जाये तो इन घटनाओं में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं जिसके चलते आने वाले दीपावली से पहले अवैध पटाखों के निर्माण और भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाना पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। मालूम हो कि जिले के कोतवाली नगर, महाराजगंज, इनायतनगर, गोसाईगंज, बीकापुर, पूराकलंदर, रुदौली और मर्वा थाना



क्षेत्रों में पूर्व में अवैध पटाखा निर्माण एवं भंडारण से जुड़ी अग्रिय घटनाएं हो चुकी हैं। इन हादसों में हुई मौतों के बावजूद यदि समय रहते सघन जांच और कार्यवाई नहीं हुई तो इस बार भी किसी बड़ी घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता देखा जाए जिले में किसी के पास स्थाई

रूप पटाखा बनाने का लाइसेंस नहीं प्राप्त है। फिर भी दीपावली से पहले अवैध रूप से पटाखा बनाने समय विस्फोट की घटनाएं जिले के पूरा कलंदर थाना क्षेत्र में पिछले वर्ष भी हुई थी जिसमें लगभग आधा दर्जन मौत भी हो गई थी ऐसे में सवाल उठता है कि दीपावली के मौके पर ही नहीं, बल्कि उससे पहले संदिग्ध ठिकानों की पहचान कर नियमित जांच क्यों नहीं की जाती? क्या पुलिस को अपने थाना क्षेत्रों में अवैध आतिशबाजी के निर्माण और भंडारण की जानकारी नहीं मिल जांच और कार्यवाई नहीं हुई तो इस बार भी किसी बड़ी घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता देखा जाए जिले में किसी के पास स्थाई

विषय है कि संबंधित ठिकानों पर पहले कार्यवाई क्यों नहीं हुई। इस संबंध में सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी ने बताया कि शीघ्र ही कोतवाली नगर के साथ केंद्र थाना क्षेत्र में चेंकिंग अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति अपने घर या अन्य स्थान पर अवैध रूप से आतिशबाजी अथवा विस्फोटक पदार्थों का निर्माण और भंडारण न करे। नहीं तो उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी। लोगों से अपील कि अगर आप सभी के आसपास कहीं ऐसा कार्य होता दिखाई दे तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ विधिक कार्यवाई की जाएगी।

संपादकीय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय
के नेतृत्व में डिजिटल

छत्तीसगढ़ में सुशासन को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा सेतु का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन की पहुँच में लाना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने वाली यह व्यवस्था नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सेवा सेतु के माध्यम से प्रदेश में 38 विभागों की 939 सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के संचालन के लिए 16 हजार 773 सेवा केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक सेवा सेतु में ऑनलाइन प्राप्त 55 लाख 13 हजार 672 आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। इस व्यवस्था से 21 हजार 582 अधिकारी-कर्मचारी ऑनबोर्ड होकर सेवाओं के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़े प्रदेश में डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाओं को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाते हैं। सेवा सेतु की प्रमुख विशेषता यह है कि नागरिकों को अनेक आवश्यक शासकीय सेवाओं के लिए एक ही मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन तथा गुमरास्ता लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए इस व्यवस्था के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम होती है और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनती जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है, जहां छोटी-छोटी शासकीय प्रक्रियाओं के लिए भी लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। सेवा सेतु का उद्देश्य केवल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शासकीय सेवाओं के वितरण को अधिक व्यवस्थित और जवाबदेही बनाना भी है। डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों की स्थिति पर नजर रखने, संबंधित अधिकारियों तक आवेदन पहुंचाने और सेवाओं के क्रियान्वयन को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में मजबूती मिलती है। राज्य सरकार की यह पहल डिजिटल सुविधाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ तकनीक के उपयोग को जनहित से जोड़ती है। सेवा केंद्रों के माध्यम से उन नागरिकों को भी आवेदन करने में सहायता मिल सकती है, जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रियाओं की जानकारी या मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवा केंद्रों का समन्वय नागरिकों के लिए प्रकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा है। कारगर असर प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन के अदम्य तत्व मिला है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूल-तः बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक तक आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है। राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिष्ट से कोशिश की गई है। ज़िंदगी भर आवास पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी-थोड़ी गिनत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संबल मिला तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने को निर्णय लिया ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असर। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। आत्मसम्पित नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केंद्र शासन से मिली। जिनमें से राज्य में 5600 आवास स्वीकृत हुए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 47 हजार हितग्राहियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए। नवीन सरकार गठन के बाद इस श्रेणी के 39000 आवास स्वीकृत किए गये। जिसमें 24000 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वर्ष 2024 का नया संकल्प- वर्ष 2024 में आवास प्लस 2.0 का नया सर्वे किया गया। 11 सितंबर 2024 को भारत सरकार से छत्तीसगढ़ को करीब 3.65 लाख नए आवासों का लक्ष्य मिला है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 2 लाख 43 हजार स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों में एएचपी घटक के 29,267 आवास हैं। पिछले 47 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत राज्य की योगित बीएलसी घटक के अंतर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एएचपी घटक के 14,687 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया है। एएचपी घटक के 2,530 हितग्राहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थापन किया गया है। आवास निर्माण हेतु नारायण निकायों को 909 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामप्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0य ग्रामप्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी शहरों में (शहर-टू-दोर सर्व अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक और परिसर सर्व और तेज स्वीकृति प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। ग्रामप्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0य अंतर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणाधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्षों से कच्चे और जर्जर कमानों में जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरंग की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। टपकती छत, दीवारों में मीलन, गर्मी और ठंड से बचाव की कठिनाइयां तथा असुरक्षित आवास जैसे समस्याएं रही हैं। ऐसे परिवारों के लिए पक्का मकान केवल एक सुविधा नहीं बल्कि जीवन में स्थायी बदलाव का माध्यम है। बुनियादी सुविधाएं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लेकर आ रही हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ देने वाला देश भारत के साथ आ खड़ा हुआ

नीरज

पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह अजरबैजान ने तुर्की के साथ मिलकर पाकिस्तान का साथ दिया था उसे देखकर भारत हैरान था। लेकिन जल्द ही समय ने करवट ली। अब दक्षिण काकेशस की राजनीति में भारत ने पाकिस्तान को एक बड़ा कूटनीतिक झटका दे दिया है। हम आपको बता दें कि कभी पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आने वाले अजरबैजान के साथ भारत के रिश्ते नई गर्माहट लेते दिख रहे हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की बाकु यात्रा और राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव व विदेश मंत्री जेहुन बायरमोव के साथ उनकी मुलाकात ने साफ कर दिया है कि भारत और अजरबैजान पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर सहयोग के नए रास्ते तलाश रहे हैं। आतंकवाद से मुकाबले, क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा और संपर्क बढ़ाने जैसे मुद्दों पर सह्र्रियता का संकेत है। पाकिस्तान के लिए यह घटनाक्रम इसलिए अहम है, क्योंकि जिस अजरबैजान को वह अपना करीबी सहयोगी मानते रहा है, उसकी अब भारत के साथ रिश्तें मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर ने राष्ट्रपति अलीयेव से मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति द्वैपदी मुर्मुकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं पहुंचाईं। दोनों पक्षों ने

पक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति और उच्च आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। विदेश मंत्री बाबुरामोव को साथ वार्ता में व्यापार, निवेश और ऊर्जा सहयोग के विस्तार पर जोर दिया गया। हम आपको बता दें कि भारत और अजरबैजान अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन किलियारे में भी रुचि रखते हैं और इसके तहत बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर सहमत हुए। एवाई संपर्क बढ़ाने तथा पर्यटन, कारोबार और लोगों के बीच आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा हुई। जयशंकर ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान ईरान से भारतीय नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों को निकालने में अजरबैजान की सहायता के लिए आभार जताया। इस यात्रा का सबसे संवेदनशील पहलू आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़ा रहा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रमधीर जाशसवाल ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधी मुद्दों आतंकवाद और साझा खतरों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने भी कहा कि आतंकवाद, संघर्ष और अस्थिरता दोनों देशों के साझा शत्रु हैं। देखा जाये तो भारत और अजरबैजान के बीच हुई बातचीत के आधिकारिक दायरे में आतंकवाद और साझा सुरक्षा चुनौतियों को स्थान मिलना क्षेत्रीय राजनीति में बड़ा घटनाक्रम है। यह घटनाक्रम इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद

भारत और अजरबैजान के संबंधों में मतान्वय आया था। आतंकवादियों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे की वितरुद्ध भारत की सैन्य कार्रवाई की आलोचना की थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ बाकू के बढ़ते सामरिक संबंध भारत की चिन्ताओं का कारण रहे हैं। ऐसे में राष्ट्रपति अलीयेव से सीधी बातचीत और विदेश मंत्रियों की विस्तृत वार्तालाप यह दिखाती है कि दोनों देश मतभेदों को स्थायी बाधा नहीं बनने देना चाहते हैं। वहीं अजरबैजान के मीडिया ने भी जयशंकर की यात्रा को प्रमुखता दी है। समाचार एजेंसी ट्रेंड ने राष्ट्रपति अलीयेव की जयशंकर से मुलाकात और विदेश मंत्री बारायरामोव के उस समय के प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले वर्षों के मतभेदों ने द्विपक्षीय संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सहयोग को बाधनाओं को प्रभावित किया था। बारायरामोव ने कहा कि मुझे पर खुले संबंधों और रचनात्मक ढंग से चर्चा हुई है और इससे संबंधों को अगले स्तर तक ले जाने का आधार तैयार होगा। एपीएन रिपोर्ट ने भी व्यापार, निवेश, सांस्कृतिक संबंधों तथा दोनों देशों की स्वतंत्र विदेश नीति पर जयशंकर की द्विपक्षीय चर्चा को प्रमुखता दी। इससे संकेत मिलता है कि बाकू इस संपर्क के कोवेल औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि संबंधों को नए सिरे से व्यवस्थित करने के अवसर के रूप में प्रस्तुत



कर रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि इससे पहले अक्टूबर महीने में ही विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बाकू में एशिया में बातचीनी और विश्वास-निर्माण उपायों के सम्मेलन के सातवें शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उन्होंने 'यूसुएव कुटुम्बक' की भावना सम्पावेशी सहयोग और आतंकवाद विरोध करिखु नागरा कार्यवाई पर जोर दिया था। उन्होंने यह भी रेखांकित किया था कि क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएँ सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें। इस यात्रा ने उच्चस्तरीय राजनीतिक स्वाद के लिए जमीन तैयार की, जिसे जयशंकर का यात्रा ने आगे बढ़ाया। साथ ही भारत और अजरबैजान के बीच बढ़ती नजदीकी की एक अहम वजह संकटकाल के समय मिला सहयोग भी है। हालाँकि हमें ईरान में संघर्ष के दौरान जहाँ भारतीय नागरिकों, खासकर वहाँ पढ़ा

रहे विद्यार्थियों को सुरक्षित निकालने की चुनौती सामने आई, तब अजरबैजान ने भारत की मदद की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी बाकू यात्रा के दौरान इस सहयोग के लिए अजरबैजान का आभार जताया। यह घटनाक्रम बताता है कि दोनों देशों के रिश्ते अब केवल कूटनीतिक मुलाकातों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जरूरत के समय एक-दूसरे की मदद करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। भारत के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि क्षेत्रीय संकट के बीच अफगानिस्तान और पाकिस्तान के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अजरबैजान जैसे देश का साथ मिलना उसकी कूटनीतिक पहुंच और आपसी विश्वास को मजबूत करता है। हम आपको यह भी बता दें कि अजरबैजान शंघाई सहयोग संगठन में भागीदारी चाहता है और इसके लिए भारत की सहमति जरूरी है। इसलिए भी दोनों देशों के बीच लगातार

ताएँ होती दिख रही हैं। सितंबर में विश्वके नए प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति अलीयेव की मुलाकात तथा उसके बाद जयशंकर की यात्रा ने राजनीतिक संपर्क को गति दी। लेकिन अजरबैजान को की पूर्ण सदस्यता दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर भारत ने अभी तक कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। भारत को इस विषय पर आतंकवाद के विरुद्ध ठोस सहयोग सदस्य देशों के बीच सहमति और क्षेत्रीय संतुलन जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखना है। रणनीतिक दृष्टि से देखा जाये तो भारत के लिए अजरबैजान ऊर्जा सुरक्षा, यूरोप और मध्य एशिया तक संपर्क, व्यापार तथा क्षेत्रीय संवाद का उपयोगी साझेदार बन सकता है। वहीं बाकू के लिए भारत एक बड़ा बाजार, निवेश क्षेत्र और एशिया की प्रमुख शक्ति है। प्रधानमंत्री मोदी की पहल और जयशंकर की सक्रिय कूटनीति ने बातचीत को नया अवसर बनाया है। उद्योग पाकिस्तान के लिए यह असहज संकेत है कि उससे निकट संबंध रखने वाला देश भारत के साथ भी अपने हितों व आधार पर सहयोग बढ़ा सके। बहरहाल, यह आतंकवाद के विरुद्ध सैन्य निर्माण होता है, व्यापार और निवेश बढ़ते हैं तथा परिवहन गलियारों पर समनव्य मजबूत होता है, तो भारत-अजरबैजान संबंधों का यह नया अध्याय दक्षिण काकेशस में भारत की रणनीतिक पहुंच को विस्तार दे सकता है।

आखिर धधक रहा है फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश, पुलिस प्रशासन के सामने चुनौतियां



कमलेश
यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों,
दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ
टकराव को केवल कानून-व्यवस्था
की समस्या मानकर नहीं समझा जा
सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक
असंतोष, सामाजिक विभाजन, आद्रजन
और एकीकरण की बहस, राजनीतिक
धरूपीकरण, युवाओं में भविष्य को
लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों
के बीच विश्वास का संकट जैसे कई
कारक हो सकते हैं। लेकिन एक
बुनियादी अंतर समझना जरूरी है
यह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन
लोकतांत्रिक अधिकार हैं, जबकि
आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति
को नुकसान और लोगों पर हमले
अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा
होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें
शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा

समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश को देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आताइजिक को हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की प्रसिद्धिथियाँ अन्य एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहीं कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं। रु सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ आतंकवाद अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया।

प्राथमिक अस्तोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महंगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए। आखिर पेरिस में बिस्मार्क शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए। सरकार को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने पड़े और कुछ क्षेत्रों में रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रतिबंध लगाए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों और हिंसा के पूर्वानुमान में कमियों को भी स्वीकार किया। इसी समय इटली में भी जीवन-यापन की लागत, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के बीच प्रदर्शन हिंसक हुए। स्पेन और पुर्तगाल में आवास की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, इन सभी घटनाओं के कारण और उनकी स्वरूप अलग-अलग हैं। पहला, महंगाई, आवास और आर्थिक असुरक्षारू जब किराया, ऊर्जा, परिवहन और अन्य मूल्यों के खर्च बढ़ते हैं, लेकिन राज्य और रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते, तो लोगों में व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है। युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन की संभावनाएँ सीमित

हमसूस होना इस असंतोष को और बढ़ा सकता है। दूसरा, सार्वजनिक सेवाओं पर दबावपूर्ण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जनरल सुविधाएँ और स्थानीय सेवाओं की कमजोर स्थिति नागरिकों को यह महसूस करा सकती है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। फ्रांस के हालिया आंदोलन में शिक्षा से जुड़ी शिकायतें शुरुआती मुद्दों में शामिल थीं। तीसरा, सामाजिक अलगवण और अवसरों में असमानताएँ कुछ शहरों और वंशित इलाकों में रोजगार, शिक्षा और सामाजिक उन्नति के अवसरों की कमी असंतोष को गहरा सकती हैं। यदि नागरिकों को लगता है कि उन्हें उनकी बात नहीं सुनती है, उनसे साथ भेदभाव होता है, तो राज्य पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है लेकिन इसे हर उपद्रव का एकमात्र कारण मानना उचित नहीं होगा चौथा, राजनीतिक धरुकीकरण और आंदोलन का हिंसक हो जाना किसी जायज मांग के साथ बड़ी संख्या में लोग शांतिपूर्वक जुट सकते हैं, लेकिन कुछ समूह उसी भीड़ का इस्तेमाल तोड़फोड़, लूटपाट या पुलिस से टकराने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने वाली तस्वीरें और संदेश भी तनाव बढ़ा सकते हैं। आंदोलन की मांगों और हिंसा करने वाले व्यक्तियों की

जिम्मेदारी को अलग-अलग समझाना जरूरी है। पाँचवाँ, आब्रजन और राष्ट्रीय पहचान पर विवादक यूरोप के अनेक देशों में आब्रजन, शरणार्थियों के एकीकरण, राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक संसाधनों के वितरण पर राजनीतिक बहस चलती रही है। यह विवाद रूढ़ीकरण बढ़ा सकते हैं। लेकिन फ्रांस की अक्टूबर 2026 की हिंसा के लिए किसी विशेष धार्मिक या प्रवासी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आर्थिक असंतोष हिंसा की पृष्ठभूमि तैयार कर सकता है, लेकिन वह हिंसा को उचित नहीं ठहराता। इस प्रकार, अतिशय राशदी की पहचान या पृष्ठभूमि के आधार पर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना भी तथ्यपरक समाधान नहीं है। सवाल है कि उत्पत्ति और हिंसक भीड़ पर नियंत्रण में पुलिस क्यों फिछड़ जाती है? तो जवाब होगा कि यह इस पूरे संकट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। अक्टूबर 2026 की फ्रांसीसी घटनाओं में पुलिस की विफलता के कुछ ठोस कारण सामने आए हैं। इन्हें केवल पुलिस की कमजोरी या इच्छाशक्ति की कमी कह देना अधूरा विश्लेषण होगा। एक खुफिया आकलन और तैयारी के चक्र फ्रांस में 17 अक्टूबर के प्रदर्शनों के लिए भीड़ का अनुमान वास्तविक

संख्या से काफी कम रहा। आंतरिक मंत्रालय के शुरूआती अनुमान लगभग 60,000, 110,000 प्रदर्शनकारियों के थे, जबकि बाद में संशोधित अनुमान 200,000 तक पहुँचे और मंत्रालय ने वास्तविक उपस्थिति लगभग 550,000 बताई। यह सरकार की अनुमान बलस्तरित रूप से सत्यापित अंतिम गणना नहीं। इतनी बड़ी भीड़ के बीच हिंस्र करने वाले छोटे समूहों की पहचान और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा कठिन हो जाती है। दो, पुलिस बल की तैनाती और संसाधनों का असंतुलन रु यदि कई शहरों में एक साथ हिंसा फैलती है, तो पुलिस को लोगों की सुरक्षा, दुकानों की रक्षा यातायात नियंत्रण और हिंस्र घटनाओं पर कार्रवाई जैसे अनेक काम करने पड़ते हैं। फ्रांस की हालिय घटनाओं में पुलिसकर्मियों की संख्या और तैनाती के समय को लेकर भी सवाल उठे हैं, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हिंसा करने वाले एक ही भीड़ मेंरूपुलिस के सामने यह कठिन चुनौती रहती है कि हिंस्र करने वालों पर कार्रवाई करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और असह्य हिंस्रों के आम नागरिकों को नुकसान से कैसे बचाया जाए। जल्दबाजी में कई जर्बर्कवाई तनाव बढ़ा सकता है। जबकि देर करने पर तोड़फोड़ और लूटपाट का दायरा बढ़ सकता है।

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही उत्तारसगढ़ की कनेक्टिविटी

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधि-
गोस्त्रका का तेजी से विकास हो रहा
है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक
क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच
रहा है। आधुनिक सुविधाओं से
सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित
होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित,
सुगम और सुविधाजनक यात्रा का
अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय,
परिचालन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ
परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा
उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों
को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध
होंगी। प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़
रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम
जारी देश के प्रमुख औद्योगिक और
खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल
छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार
अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय
कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़
रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080
करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं
पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्-
य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं
लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत
रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था
को नई गति देगा। रेलवे के विकास
से उद्योगों की परिवहन लागत कम
होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा,
ऊर्जा क्षेत्र को मांजहूनी मिलेगी,
किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध

हागे तथा युवाओं के लिए रोजगार के
 ओर उद्यमिता के नए अवसर सृजित
 होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव सायन
 ने कहा कि डबल इंजन सरकार के
 नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना
 का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है।
 प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं,
 दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा अधो-
 णिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से
 विकास को नई दिशा मिल रही है।
 यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के
 निर्माण के संकल्प को और अधिक
 मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य
 सरकार के समन्वित प्रयास से
 छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर
 विस्तार पर जोर दिया जा रहा है।
 केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27
 के लिए राज्य के रेलवे बजट का
 आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये
 कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के
 दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये
 सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत
 आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई
 है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य
 खसल रेल मार्ग पर दबाव कम करना,
 व्यक्ति और औद्योगिक माल की,
 आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक
 रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब
 तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।
 राष्ट्रीय माल डुलाई को मिलेगा
 वैकल्पिक रेल मार्ग छत्तीसगढ़ की
 रेल रणनीति में खरसिया-नया

रायपुर—परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबाई लेबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये पर कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाइनों बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता—मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बरौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक विकास को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट—जगदलपुर (140 किमी) की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि

शिवग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किंदुल-कोतागुडम (180 किमी) तथ्य गड़चिरोली-बीजापुर-किंदुल (बच्चेली) की 490 किलोमीटर नए रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावधान रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के आने वरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे मिलाइया इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोतावलरणा-किंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में मालवाह यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क योजना प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कर्वा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। शिवसागढ़ को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की

योजना है। इसके लिए स्थल परलक्ष्य (एएसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। उत्तराखण्ड छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजना सरडेगा-पथलगांव-अंबिकापुर (240 किलोमीटर), तमजयगढ़-पथलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर के भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूरी दिए जाने की संभावना है। अगर सरकार 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इस परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे

स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल के अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोरा एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वरुणलोकार्पण प्रदेश के रेल विकास केंद्र दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा क्षेत्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास को सशक्त आधार है। चांपा, बालोरा एवं सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों को लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

देश की उपासना

महर्षि वाल्मीकि का जीवन देता है मानवता का संदेश



जौनपुर । समाजवादी पार्टी द्वारा सोमवार को जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फरस्टीनगंज, में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी एवं संत शिरोमणि नामदेव महाराज जी की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल ने की तथा संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।कार्यक्रम में उपस्थित पार्टीजनों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन, विचारों और समाज सुधार में योगदान पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि महापुरुषों की

शिक्षाएं आज भी समाज को समानता, सदभाव, नैतिकता और मानवीय मूल्यों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी और संत शिरोमणि नामदेव महाराज जी का जीवन दर्शन समाज को सदाचार, भक्ति, समता और मानवता का संदेश देता है। महर्षि वाल्मीकि जी को आदिकवि के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। उनकी रचना रामायण भारतीय साहित्य और संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। उनके जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि ज्ञान, साधना और



स्वयं सहायता समूह से सुनीता देवी ने संवारी अपनी तकदीर, 10 महिलाओं को भी दिया रोजगार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कोशाम्बी जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़कर सुनीता देवी ने स्वरोजगार की मिसाल पेश की है। मंझनपुर विकास खंड के सेथदपुर अलीपुर गांव की सुनीता देवी ने महज पांच हजार रुपये की शुरुआती आर्थिक सहायता से मिठाई और उपहारों के लिए गत्ते के डिब्बे बनाने का कारोबार शुरू किया। आज उनका यह छोटा उद्यम न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बना है, बल्कि गांव की 10 अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रहा है।सुनीता देवी ने वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की थी। घरेलू जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की उनकी कोशिश को समूह की नियमित बैठकों, बचत और वित्तीय लेन–देन की व्यवस्था से

प्रोत्साहन मिला। शुरुआती पांच हजार रुपये की सहायता से उन्होंने फ्राफ्ट पेपर, गत्ता और अन्य जरूरी सामग्री खरीदी तथा अपने घर से ही डिब्बे बनाने का काम शुरू कर दिया।सुनीता देवी ने स्थानीय बाजार की जरूरत को समझते हुए इस कारोबार का चयन किया। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से संपर्क कर उच्च डिब्बों की आपूर्ति शुरू की। दीपावली, रक्षाबंधन, भैयादूज और शादी–विवाह के आयोजनों के दौरान मिठाई के डिब्बों की बढ़ती मांग से उनके कारोबार को गति मिली। समय पर आपूर्ति, गुणवत्ता और उचित कीमत के कारण स्थानीय व्यापारियों का भरोसा भी बढ़ा।कारोबार का विस्तार होने पर अतिरिक्त पूंजी की जरूरत पड़ी। इसके लिए जिला प्रशासन और

सदकर्मों के माध्यम से व्यक्ति समाज को नई दिशा दे सकता है।उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव महाराज जी भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में गिने जाते हैं। उन्होंने अपनी वाणी और भक्ति के माध्यम से ईश्वर के प्रति प्रेम, आडंबरों से दूर रहने तथा जाति–पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को अपनाने का संदेश दिया। उनकी रचनाओं का प्रभाव महाराष्ट्र की वारकरी भक्ति परंपरा से आगे बढ़कर व्यापक संत परंपरा तक दिखाई देता है। उनकी वाणी के पद श्री गुरु ग्रंथ साहिब में भी संकलित हैं। दोनों महापुरुषों के विचार आज भी सामाजिक समरसता, आपसी सम्मान और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए प्रासंगिक हैं। पूनम मौर्य, जिला सचिव अजय मौर्या, दीपक आर विश्वकर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा अनवर उल हक गुड्डा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरशद कुरैशी, नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, सोनी यादव, कार्यवाहक नगर अध्यक्ष अशफाक मंसूरी, रवि यादव, पूनम यादव, सोनी सेठ, वंदना यादव, वंदना श्रीवास्तव, पिंकी गुप्ता, अकरम मंसूरी, राजा नवाब, ईशान यादव, मोहम्मद आसिफ, कोमल यादव, धर्मेन्द्र सोनकर सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।



बैंक प्रबंधन के समन्वय से स्वयं सहायता समूह को 50 हजार रुपये की नकद ऋण सीमा उपलब्ध कराई गई। इससे थोक में कच्चा माल खरीदने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली। समूह की महिलाओं ने गत्ते की कटाई, मोड़ने, चिपकाने और डिब्बों को अंतिम रूप देने जैसे काम आपसी सहयोग से बांट लिए। अब तैयार डिब्बों की आपूर्ति मंझनपुर सहित आसपास के ग्रामीण और कस्बाई बाजारों में की जा रही है।इस पहल से सुनीता देवी के साथ समूह की 10 अन्य महिलाओं को भी गांव में ही रोजगार का अवसर मिला है। उत्पादों की बिक्री से होने वाली आय में से निर्माण लागत घटाने के बाद शेष लाभ का वितरण समूह की महिलाओं के बीच पारदर्शी तरीके से किया जाता है। इससे उनके परिवारों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिल रही है और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रहन–सहन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

किसानों की मांगों पर अड़े राकेश टिकैत, बोले– वार्ता नहीं हुई तो निकालेंगे मार्च

लखानऊ, (संवाददाता)। डालीबाग स्थित गन्ना संस्थान में शुक्रवार को आयोजित किसान मजदूर महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसानों की मांगों को लेकर सख्त रुख अपनाया। संयुक्त गन्ना आयुक्त सत्येंद्र सिंह ने मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया,

लेकिन टिकैत ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल की उच्चस्तरीय अधिकाारियों से सीधे वार्ता कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि ठोस पहल नहीं हुई तो किसान मार्च निकालकर आंदोलन तेज करेंगे। मांगों का समाधान होने तक जिला मुख्यालयों पर धरने जारी रहेंगे। महापंचायत में किसानों ने गन्ने का लाभकारी मूल्य बढ़ाकर

500 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक करने, चीनी मिलों पर बकाया भुगतान जल्द कराने और देशी होने पर नियमानुसार ब्याज देने की मांग उठाई। धान खरीद व्यवस्था में सुधार के साथ भूमि अधिग्रहण के मामलों में उचित मुआवजा देने की मांग भी की। किसानों ने पुराने सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा तय करने पर आपत्ति जताते हुए।

समर्पण सेवा संस्थान के डांडिया महोत्सव में दिरवी भारतीय संस्कृति की झलक, 750 से अधिक लोग हुए शामिल

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समर्पण सेवा संस्थान की ओर से 24 अक्टूबर को बाजिदपुर तिराहा स्थित पालक मैरिज हॉल में भव्य फैमिली डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 750 से अधिक लोगों ने भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागियों ने गरबा और डांडिया की प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की छटा बिखेरी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की स्तुति और आरती के साथ हुआ। इसके बाद संगीत की धुनों पर प्रतिभागियों ने पारंपरिक गरबा और डांडिया प्रस्तुतियों से माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों और परिवारों ने एक साथ भाग लेकर आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक सदभाव का संदेश दिया। महोत्सव के दौरान बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांडिया लुक और नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निर्णायक मंडल में शाहगंज से आई खुशबू जायसवाल, डॉ. अंजू कनौजिया और डॉ. आकांक्षा त्रिवेदी शामिल रही। बेस्ट ड्रेस प्रतियोगिता में डॉ. प्रिया को प्रथम पुरस्कार मिला,

भागवत कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने मोहा मन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या।मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के हैरिस्टनगंज ब्लॉक अंतर्गत घुरेहटा पूरे संगम शुक्ल गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में छठवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और रुक्मिणी विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। नैमिषारण्य तीर्थ से पधारे कथा व्यास पंडित जय प्रकाश शुक्ला ने श्रीमद्भागवत के प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, प्रेम, समर्पण और मर्यादित जीवन का संदेश दिया।कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की मथुरा लीला, कंस वध तथा द्वारका में उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने सदैव अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होकर धर्म की रक्षा की।कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाकर उन्होंने यह संदेश दिया कि अधर्म कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है।रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने

खड़गे की प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी को लेकर देश से माफी मांगे कांग्रेस – नगर विधायक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर कांग्रेस अध् यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की विवादित टिप्पणी पर भाजपा नेताओं ने तीखा पलटवार किया है।भाजपा नेताओं ने बयान को राजनीतिक मर्यादा के विरुद्ध बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व से देश से माफी मांगने के लिए कहा। टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के नेताओं ने कहा कि वैचारिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन व्यक्तिगत और पारिवारिक मर्यादाओं को निशाना बनाना किसी भी राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को शोभा नहीं देता।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से ऐसी भाषा की अपेक्षा नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों और निर्णयों का विरोध करने के लिए कांग्रेस के पास ठोस तर्क होने चाहिए, न कि ऐसे शब्द जो राजनीतिक संस्कारों पर सवाल खड़े करें। जनता सब देख रही है और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब भी देगी।इस मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वैचारिक संघर्ष स्वाभाविक है, लेकिन राजनीतिक विरोध को



जबकि मनमोहक नृत्य प्रस्तुति के लिए शालिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतुल और नूपुर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में संस्थान के प्रबंधक डॉ. मिथिलेश श्रीवास्तव, संरक्षण मंडल से प्रदीप श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंवदा और मुदुला श्रीवास्तव, सचिव आशीष श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सोनी जायसवाल सहित अन्य सदस्यों ने योगदान दिया। व्यापार मंडल अध् यक्ष राधे रमन, जेसीआई अध्यक्ष अंजनी प्रजापति, शांत फाउंडेशन से कल्पना गुप्ता, दीप्ति, सुधीर श्रीवास्तव और उमाकांत श्रीवास्तव

सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष ज्योति श्रीवास्तव ने कहा कि गरबा और डांडिया भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़े उत्सव हैं। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत, संस्कारों और परंपराओं से परिचित कराना भी है। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी सेवा, संस्कृति, सामाजिक एकता और महिला सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। अंत में ज्योति श्रीवास्तव ने अतिथियों, निर्णायक मंडल, सहयोगियों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना आश्रय और जीवनसाथी मानती थीं। जब उनके भाई रुक्मी ने उनकी इच्छा के विरुद्ध शिशुपाल से विवाह कराने का निर्णय लिया, तब रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर अपनी रक्षा की प्रार्थना की। भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी की पुकार स्वीकार की और उन्हें अपने साथ ले जाकर विवाह किया।यह प्रसंग श्रद्धा, विश्वास, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। कथा के माध्यम से यह संदेश

दिया गया कि वैवाहिक जीवन की नींव आपसी सम्मान, विश्वास, सहमति और समर्पण पर टिकी होती है। साथ ही, किसी भी संबंध में व्यक्ति की इच्छा और गरिमा का सम्मान करना परिवार एवं समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें अन्याय के सामने झुकने के बजाय विवेक, साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गांव में सूर्य नारायण शुक्ला एवं जय नारायण शुक्ला के यहां आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं। आयोजन में अंकार नाथ शुक्ला, श्याम नारायण, हरि नारायण, शिव नारायण, गोरखनाथ शुक्ला, हरिशंकर, रमाशंकर एवं राजीव शुक्ला, कुलदीप शुक्ला, सर्वजीत पाल सहित अनेक श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। कथा के माध्यम से गांव में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन होकर धर्मलाम प्राप्त कर रहे हैं।



व्यक्तिगत कटाक्ष और पारिवारिक टिप्पणियों तक ले जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यही उसकी राजनीतिक संस्कृति है। उन्होंने खड़गे से अपनी टिप्पणी वापस लेने और देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।वही भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब किसी राष्ट्रीय दल का शीर्ष नेता सार्वजनिक मंच से ऐसी टिप्पणी करता है, तो उसका प्रभाव व्यापक होता है। कांग्रेस नेतृत्व

को इस मामले में केवल बचाव करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए और राजनीतिक संवाद की गरिमा बनाए रखने के लिए स्पष्ट संदेश देना चाहिए।जिला मीडिया प्रभारी अमित मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति का संकट यह है वह नीतिगत बहस के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों को राजनीतिक हथियार बनाने लगी है। लोकतंत्र में शब्दों की ताकत तर्क, तथ्य और विचारों में होती है, न कि कटाक्ष और अभद्रता में। कांग्रेस अध् यक्ष को अपने पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, पिता की मौत, बेटा समेत दो घायल

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में चंदवक थाना क्षेत्र के मुढ़ैला–थानागढ़ी मार्ग पर भैंसा गांव के पास रविवार रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार रामकिशुन (50) की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा मनोज कुमार (31) और साथी सुखराम (59) घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार तीनों लोग नशे की हालत में थे। वाराणसी जिले के चोलापुर थाना क्षेत्र के हमीरापुर निवासी मनोज कुमार अपने पिता रामकिशुन और केराकत थाना क्षेत्र के खर्गसेनपुर निवासी सुखराम के साथ बाइक से जा रहे थे। तीनों ईंट–भट्टे पर मजदूरी करते थे। रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे भैंसा गांव के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), डोभी ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने रामकिशुन को मृत घोषित कर दिया। मनोज कुमार और सुखराम का उपचार किया गया। दोनों को हल्की चोटें आने की जानकारी दी गई है। इस संबंध में सोमवार को जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि ईंट–भट्टे पर काम करने वाले तीन लोग एक ही बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। तीनों के नशे की हालत में होने की बात सामने आई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वोट चोरी कर भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर किया – सीताराम लांबा

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी एवं राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री सीताराम लांबा ने सोमवार को जौनपुर में भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वोट बचाओ, देश बचाओ जन आंदोलन को व्यापक स्तर पर चलाएगी। नगर के एक बैंकवेट हॉल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए लांबा ने आरोप लगाया कि



सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग की मिलीभगत से लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं, जिससे उनके संवैधानिक अधिकार प्रभावित हुए हैं। लांबा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कई बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कथित वोट चोरी के प्रमाण प्रस्तुत किए, लेकिन चुनाव आयोग ने उन पर उचित ध्यान नहीं दिया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उन्हें जेल भेजने की मांग भी की। लांबा ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संविधान एवं लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतदाताओं के अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक माबूद खान, जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, शहर अध्यक्ष आरिफ खान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह और पंकज सोनकर तथा पूर्व जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनसमस्यायें

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान एसएसपी ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में पारदर्शी तरीके से किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर न्यायोचित सहायता उपलब्ध कराई जाए। एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। पुलिस ने आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनसुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बिना वैध कागज के वाहन न खरीदें

जौनपुर। पुलिस ने आमजन से पुराने वाहन खरीदते समय विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि वाहन खरीदने से पहले उसका पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी), अन्य आवश्यक दस्तावेज और नंबर प्लेट की जांच अवश्य करें। साथ ही विक्रेता की पहचान और वाहन के स्वामित्व की पुष्टि करने के बाद ही खरीदारी करें।पुलिस के अनुसार, बिना नंबर प्लेट, वैध कागजात के अभाव या संदिग्ध स्थिति वाले वाहनों की खरीद–बिक्री से बचना चाहिए। वाहन चोरी का होने या दस्तावेजों में अनियमितता की आशंका होने पर उसे न खरीदें। ऐसी सावधानी से चोरी के वाहनों की खरीद–बिक्री पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

चोरी में चार लोग गिरफ्तार

जौनपुर। चंदवक थाना पुलिस ने चोरी से संबंधित एक मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) और 317(2) में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान साकिब अली पुत्र नजीबुल्ला निवासी चवरवर, अफजल शाह पुत्र गुड्डा शाह निवासी मुढ़ैला तथा आयुष यादव पुत्र योगेश यादव और शिवम सोनकर पुत्र संजय सोनकर निवासी गोनीली, थाना चंदवक, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है।

गंभीर मरीजों के लिए ‘संजीवनी’ बनी एएलएस एंबुलेंस, हर मिनट कीमती जान बचाने में अहम

अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस एंबुलेंस में तैनात रहती है प्रशिक्षित ईएमटी टीम और पायलट – सुमन समीर द्विवेदी



अयोध्या।सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायल मरीजों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस संजीवनी साबित हो रही है।सड़क हादसों के शिकार गंभीर रूप से घायल लोगों व छोटे अस्पतालों से महानगर स्थित मेडिकल कॉलेज तथा हायर मेडिकल कॉलेज पहुंचाने के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस यह एंबुलेंस मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के साथ रास्ते में भी जरूरी प्राथमिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध

‘मानहानि के केस में राहुल गांधी साक्ष्य के अभाव में बरी’



ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव सुल्तानपुर। गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले में आज सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला आया। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने मामले में राहुल गांधी को साक्ष्य के अभाव में

दा लेप्रोसी मिशन मसौदा के प्रांगण में बालिका दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालिकाओं के साथ ना हो भेदभाव – मेनका सिंह



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या।रविवार को दा लेप्रोसी मिशन मसौदा के प्रांगण में बालिका दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर शांति डेवलपमेंट फाऊंडेशन की अध्यक्ष मेनका सिंह ने कहा कि हम सभी को बालिकाओं के साथ भेदभाव ना किया जाए।कहा आज

की बालिकाएं समाज के हर क्षेत्र में बढ़कर हिस्सा ले रही है।कार्यक्रम का संचालन सामाजिक सेवा कर रही आयुषी श्रीवास्तव ने किया।कार्यक्रम का उद्घाटन शांति डेवलपमेंट फाउंडेशन की अध्यक्ष मेनका सिंह द्वारा किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य संस्था के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राजाराम द्वारा विस्तार से लोगों को बताया

है। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायल मरीजों को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र पहुंचाना बेहद जरूरी होता है।ऐसे मामलों में एंबुलेंस में तैनात प्रशिक्षित इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) और पायलट आपसी समन्वय से काम करते हैं। ईएमटी मरीज की स्थिति के अनुसार प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराता है, जबकि पायलट उसे सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाता है।बताया कि एएलएस एंबुलेंस की भूमिका केवल मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक केवल पहुंचाने तक सीमित नहीं है।बल्कि आपात स्थिति में मरीज की हालत पर नजर रखने और अस्पताल पहुंचने तक आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने में भी इसकी अहम भूमिका रहती है।खासकर गंभीर दुर्घटनाओं और नाजुक हालत वाले मरीजों के लिए समय पर एंबुलेंस सेवा मिलने से उपचार की प्रक्रिया को गति मिलती है।बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशिक्षित कर्मचारियों की तत्परता और बेहतर समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। एएलएस सेवा का उद्देश्य गंभीर मरीजों को सुरक्षित रखते हुए जल्द से जल्द उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाना है, ताकि उन्हें समय पर आवश्यक उपचार मिल सके।

मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 21 वें संस्करण पुस्तक मेला के रविवार संध्या मे मेला परिसर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से ओतप्रोत रहा। श्पल पल दिल के पासश् कार्यक्रम में देहरादून के इंद्रजीत सिंह ने प्रस्तुति दी, उनसे बातचीत हिमांशु वाजपेयी की लखनऊ की गायिका मुक्ता चटर्जी ने गीत प्रस्तुत किया, साथ ही रमा अरुण त्रिवेदी ने उनसे बातचीत की। इंद्रजीत ने सुर्ों की मल्लिका लता मंगेशकर की सुरीली आवाज और अभिनेता धर्मेन्द्र (धरम पाजी) की फिल्मों के सदाबहार गाने भारतीय सिनेमा के सुनहरे दौर की पहचान बताया धर्मेद्र पर फिल्माए गए कई बेहतरीन गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज ने लगाए चार चांद आज भी होंठों पर है।।डॉ सुनीता पाण्डेय द्वारा रचित काब्य संग्रह ष्फुस्तियाफ का विमोचन डॉ.ओंकार नाथ मिश्र द्वारा किया गया, श्री मिश्र ने स्त्री मन की अनकही आवाज, कविता के स्वर की काब्य

कोर्ट में चल रहा था। मामले मे बहस की कार्यवाही लम्बे समय बाद गत 13 अक्टूबर को पूरी हुई थी। मामले में राहुल गांधी के अधिवक्ता ने अपनी लिखित बहस में विवादित बयान को स्वीकार किया था,पर उसे सदभाव मे दिए जाने एवं किसी को अपमानित करने के इरादे से बयान नहीं देने व तोड़-मरोड़कर बयान पेश किए जाने समेत अन्य तर्क रखे थे। वहीं परिवादी पक्ष के अधिवक्ता ने विवादित बयान देने की बात स्वीकार करने के आधार पर राहुल गांधी को दोषी करार दिए जाने की मांग अदालत से किया था। अदालत ने दोनों पक्षो की बहस सुनकर सोमवार को फैसले के लिए पत्रावली सुरक्षित किया था। अदालत ने अपने फैसले में राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए दोषमुक्त करार दिया है।

गया।उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्र

गया।उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्र।ानाचार्य छोटेलाल द्वारा बालिकाओं को संबोधित करते हुए बताया कि समाज में बालिकाओं के प्रति भेदभाव नहीं होना चाहिए।वही प्रधानाचार्य विजय कुमार द्वारा गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया वहीं विजय कुमार यादव द्वारा अपने कम्प्यूटर सेंटर द्वारा गरीब लड़कियों को निशुल्क कंप्यूटर सिखा देने का वायदा किया।इस मौके पर लड़कियों ने आयोजित खेलकूद में भाग लिया।विजई खिलाड़ियों को दा लेप्रोसी मिशन के अधीक्षक वीनू वैरी ने प्रदान किया।इस मौके पर लिटिल प्लायर स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर अनीता,सिस्टर अनिमा सहित यूनिसेफ के पूर्व प्रतिनिधि धीरेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि परिवार को लिंग भेद नहीं करना चाहिए। कहा कि टीकाकरण पर जोर डाला।इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले वर्कशों को मुख्य अतिथि द्वारा उपहार प्रदान किया गया।इस मौके पर मुख्य रूप से मीरा देवी रीता देवी शहनूर बानो धीरेंद्र नाथ पाण्डेय अन्य लोग मौजूद रहे।

नारायण दास खती मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 21 वें संस्करण पुस्तक मेला मे मेला परिसर मे हुई सांस्कृतिक प्रस्तुति

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।नारायण दास खत्री मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 21 वें संस्करण पुस्तक मेला के रविवार संध्या मे मेला परिसर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से ओतप्रोत रहा। श्पल पल दिल के पासश् कार्यक्रम में देहरादून के इंद्रजीत सिंह ने प्रस्तुति दी, उनसे बातचीत हिमांशु वाजपेयी की लखनऊ की गायिका मुक्ता चटर्जी ने गीत प्रस्तुत किया, साथ ही रमा अरुण त्रिवेदी ने उनसे बातचीत की। इंद्रजीत ने सुर्ों की मल्लिका लता मंगेशकर की सुरीली आवाज और अभिनेता धर्मेन्द्र (धरम पाजी) की फिल्मों के सदाबहार गाने भारतीय सिनेमा के सुनहरे दौर की पहचान बताया धर्मेद्र पर फिल्माए गए कई बेहतरीन गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज ने लगाए चार चांद आज भी होंठों पर है।।डॉ सुनीता पाण्डेय द्वारा रचित काब्य संग्रह ष्फुस्तियाफ का विमोचन डॉ.ओंकार नाथ मिश्र द्वारा किया गया, श्री मिश्र ने स्त्री मन की अनकही आवाज, कविता के स्वर की काब्य

श्रीरामलला के दर्शन की बदलेगी दिनचर्या,1 नवंबर से लागू होगी नई समय–सारणी

अयोध्या।श्रीरामलला के दर्शन की 1 नवंबर से नई समय–सारणी होगी।अयोध्या के श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में रामलला की पूजा–अर्चना और दर्शन की नई समय–सारणी लागू होगी।जानकारी के मुताबिक सुबह 4 बजे पट खुलेगे, अभी वर्तमान में सुबह 3:45 बजे खुल रहे है।वही सुबह 4:30 बजे मंगला आरतीरू पट खुलने के आधे घंटे बाद मंगला आरती होगी।इसके बाद अभिषेक और श्रृंगार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।सुबह 6:30 बजे श्रृंगार आरतीरू श्रृंगार आरती के बाद सुबह 7 बजे से श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे।जबकि सुबह 8 बजे बालभोग होगा।बालभोग के लिए मंदिर के पट 10 मिनट तक बंद रहेंगे। दोपहर 12 बजे राजभोग आरती होगी। जानकारी के मुताबिक सुबह 11:30 बजे राजभोग की प्रक्रिया

विसर्जन के दौरान मिशन शक्ति प्रभारी चेतना पाण्डेय ने अमसिन महिलाओं को किया जागरूक



अयोध्या। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान गोसाईंगंज थाने की मिशन शक्ति प्रभारी चेतना पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ अमसिन में महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक

एनसीसी शिविर में कैंडेटों ने सीरवा सैन्य प्रशिक्षण,साइबर सुरक्षा और नेतृत्व का गुण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या। रानी बाजार स्थित माधव सर्वोदय पीएच। कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय कैंडेट कोर (एनसीसी) के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैंडेटों को सैन्य प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, नेतृत्व क्षमता और खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।पीआई स्टाफ और सैन्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में कैंडेटों को शॉर्ट रेंज फायरिंग और मैप सेटिंग की जानकारी दी गई।सेकंड ऑफिसर सुजीत कुमार और सेकंड ऑफिसर जेपी तिवारी की देखरेख में लाइन एरिया प्रतियोगिता आयोजित हुई। वहीं,



संग्रह में स्त्री अनुभव, संवेदना, और स्वाभिमान की काब्य यात्रा पर प्रकाश डालते हुए शुभकामनाएं दी।इस मौके पर डॉ जनार्दन उपाध्याय, जनमोर्चा सम्पादक सुमन गुप्ता, प्रकाशक ओमप्रकाश शर्मा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।सोमवार की प्रातः कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब रेनू रस्तोगी द्वारा कव्वाली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न शिक्षण संस्थाओं ने प्रतिभाग किया।शानदार कव्वाली का प्रदर्शन करते हुए न्यू बेब एकेडमी प्रथम, भवदीय पब्लिक स्कूल दूसरे व टाईनी टाट्स तीसरे स्थान पर रहे वहीं सात्वना पुरस्कार के रूप में सनबीम

आरती होगी, जबकि रात 9:30 बजे शयन आरती संपन्न होगी। रात 10 बजे रामलला दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक विश्राम करेंगे।इसके बाद 1:35 बजे से दर्शन दोबारा शुरू होंगे।शाम 4 बजे बालभोगरू शाम को बालभोग के लिए मंदिर के पट कुछ समय के लिए बंद किए जाएंगे। शाम 7 बजे संध



शुरू होगी और दोपहर 12 बजे राजभोग आरती होगी।दोपहर में विश्रामरू बंद होंगे।पटरू वर्तमान में रात 10:30 बजे बंद होने वाले मंदिर के पट अब रात 10 बजे बंद होंगे।अर्चक प्रमुख आचार्य केशव जी के अनुसार, ऋतु परिवर्तन को देखते हुए पूजा, आरती, भोग और दर्शन की समय–सारणी में बदलाव किया गया है।

जानकारी दी।उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय ने महिलाओं को बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, विधवा पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया।उन्होंने महिलाओ को हमेशा अराजक तत्वों से सतर्क रहने और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की।इस दौरान उन्होंने महिलाओ को महिला सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी भी दी गई, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं समय रहते सहायता प्राप्त कर सकें।



लेफ्टिनेंट ताजीन फातिमा और सीटीओ अनूप कुमार के मार्गदर्शन में साइबर अपराधों से बचाव तथा प्रभावी नेतृत्व की जैसे विषयों पर विशेष व्याख्यान दिए गए।खेलकूद प्रतियोगिताओं के तहत सेकंड ऑफिसर हिमांशु प्रताप सिंह के निर्देशन में वॉलीबॉल लीग मैच आयोजित हुआ। इसके अलावा गार्ड

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए भाजपा ने किया जोरशोर तैयारियां शुरू

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में भारत के प्रथम गृहमंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई-पटेल की जयंती मनाने के लिए भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।[यह बाते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि 28 से 31 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में सरदार पटेल को उचित सम्मान नहीं दिया गया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद देश के महापुरुषों के योगदान और उनकी स्मृतियों को सम्मानित करने का काम किया है।उन्होंने कहा कि गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा का उल्लेख करते हुए इसे विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा बताया।कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल किसी एक जाति या बिरादरी के नेता नहीं,बल्कि पूरे देश के नेता थे।विधायक ने कहा कि देश की रियासतों को एकजुट कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने में सरदार पटेल की ऐतिहासिक भूमिका रही।उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की जयंती के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया जाएगा।अयोध्या के मुद्दे पर विपक्ष को घेरते हुए वेद प्रकाश गुप्ता ने सपा और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के कार्यकाल में अयोध्या के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावारू वेद प्रकाश गुप्ता ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी और अयोध्या विधानसभा सीट पर भी जीत दर्ज करेगी।

33 करोड़ से संवरेंगा रामनगरी का भरतकुंड, घाटों और मंदिरों का होगा सुंदरीकरण

अयोध्या।जिले के प्रमुख रामायणकालीन तीर्थ भरतकुंड के सुंदरीकरण की कवायद तेज हो गई है।करीब 33 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से भरतकुंड का विकास कराया जाएगा।इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने के प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल गई है। अयोध्या का विकास प्राधिकरण अब परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजेगा। डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद विकास कार्य शुरू कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। परियोजना के तहत भरतकुंड के मंदिरों और घाटों का व्यापक सुंदरीकरण कराया जाएगा।घाटों पर पत्थर लगाने के साथ परिसर में पाथवे, वॉकवे और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था, गजेबो (छतरियां), बागवानी और हरित क्षेत्र भी विकसित किए जाएंगे।रात में बेहतर रोशनी से कुंड परिसर को आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा।इस परियोजना पूरी होने के बाद भरतकुंड में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ने के साथ ही इस प्रमुख धार्मिक स्थल की सुंदरता में भी इजाफा होने की उम्मीद है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं शरद पूर्णिमा उत्सव सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। आश्विन मास की शरद पूर्णिमा एवं महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर गोकुल नगर का उत्सव केशवपुरम, सरौसा भरोसा, पारा में उत्साह, उल्लास एवं आनंदपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रातायण, शरद पूर्णिमा एवं महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन और कृतित्व से संबंधित प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसके माध्यम से उपस्थित स्वयंसेवकों एवं युवाओं को भारतीय संस्कृति, साहित्य तथा गौरवशाली परंपराओं से परिचित होने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके साथ ही छंद, श्लोक, चौपाइयों एवं राष्ट्रभक्ति गीतों की अंताक्षरी ने कार्यक्रम को रोचक एवं प्रेरणादायी बनाया। युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक सहभाग किया। कार्यक्रम में नगर संघचालक ओमप्रकाश जी का सान्ध्य प्राप्त हुआ। एवं लखनऊ दक्षिण भाग के सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख विजय जी का पाथेय प्राप्त हुआ, जिसने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं युवाओं को प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम में मातृशक्ति, बाल स्वयंसेवकों एवं व्यवसायी स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कुल 107 सहभागियों की उपस्थिति रही, जिसमें 17 मातृशक्ति, 33 बाल स्वयंसेवक एवं 57 व्यवसायी स्वयंसेवक सम्मिलित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने प्रसाद स्वरूप खीर ग्रहण की। शरद पूर्णिमा की परंपरा, महर्षि वाल्मीकि जी के जीवनादर्श, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रभक्ति के भावों से परिपूर्ण यह उत्सव सभी के लिए आनंददायी, प्रेरणास्पद एवं स्मरणीय रहा।राहुल नगर कार्यवाह गोकुल नगर, लखनऊ दक्षिण भाग ने उक्त जानकारी दी।



सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।	
सम्पादक	
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव	
मो0 - 7007415808, 9415034002	
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	